हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

10 बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मां का योगदान...

10 सशक्त, शिक्षित और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण....

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से किसान की मौत

जींद। गांव बिधराणा के निकट हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे पर बीती रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से किसान की मौत हो गई। किसान खेत में पानी देकर घर लौट रहा था। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बिधराना निवासी रामपाल बीती रात खेत में पानी देकर पैदल घर लौट रहा था। जब वह हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे को पार कर रहा था तो उसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी।

रंजिशन हमला करने पर पांच घायल, पांच नामजद

जींद। गांव रोहड़ में रंजिशन हमला कर एक परिवार के पांच लोगों के घायल करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रोहड़ निवासी परमजीत कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी जरनैल सिंह परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते गत तीन मई को जरनैल परिवार ने उनके घर में घुस कर हमला कर दिया। जिसमें उसे, उसके पति मेजर, जेठ हरभजन को काफी चोटें आई।

मकान का ताला तोड़कर जेवरात और मशीनें चोरी

जींद। गांव निर्जन में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोने के जेवरात, सिलाई मशीनों तथा अन्य सामान को चोरी कर लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है।

गांव निर्जन निवासी मूर्ति देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश बाहर गई हुई थी। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोने की तबीजी, दो जोड़ी पाजेब, चार सिलाई मशीनें, नलके की पाइप व अन्य सामान को चोरी कर लिया।

अदालत में झूठा रिकार्ड पेश करने पर केस दर्ज

जींद। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अदालत के आदेश पर सब इंस्पेक्टर नीर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नीर ने अदालत में झूठा रिकार्ड पेश किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सब इंस्पेक्टर नीर को एक नाबालिग बच्चे पर लगे आरोपों की जांच करनी थी। यह मामला अगस्त 2023 का है। इसमें नीर ने जिस व्यक्ति को मामले का गवाह बनाया, वह जेल में था। अदालत में नीर ने जो रिकार्ड पेश किया वह झूठा निकला। अब अदालत ने पुलिस को नीर के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

असला सप्लाई करने का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। सीआईए-1 द्वारा एक असला सप्लायर गांव माघो माजरी निवासी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 19 अप्रैल को सीआईए-1 पुलिस के एएसआई रघुबीर सिंह व एचसी पवन की टीम सारण बस अड्डे के पास से आरोपी पेगा जिला जींद निवासी अभिषेक को काबू किया था। जिसके कब्जे से एक .32 बोर का अवैध पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुआ था। जिस बारे थाना तितरम में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी अभिषेक से पूछताछ उपरांत खुलासा हुआ था।

दुकान पर फायरिंग का आरोपी गिफ्तार

कैथल। चीका स्थित एक मोबाइल दुकान पर फायरिंग करने के मामले के आरोपी कीर्ति नगर कुरुक्षेत्र निवासी रजत को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 4 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे चानना रोड स्थित "गिल मोबाइल" शाप पर दो अज्ञात युवकों ने मोटरसाइकिल पर आकर फायरिंग कर दी थी। हमलावर मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थे और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज कर लिया गया।

शरारती तत्व व शराब पीकर माहौल बिगाड़ने वालों पर पुलिस की पैनी नजर

पंचायत उपचुनावः पुलिस ने निकाला मार्च पास्ट, गांव चाबरी में 1224 मतदाता करेंगे तीन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

पंचायत उपचुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। 10 मई को होने वाले मतदान को लेकर गांव ढांड में लगातार पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह नाकाबंदी की है। ढांड थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि कैथल पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सूदन के दिशा-निर्देशानुसार पुलिस टीम लगातार गांव में गश्त कर रही है।

ढांड। गाड़ियों में मार्च पास्ट करते पुलिस अधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

चुनाव के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए संदिग्ध गतिविधियों और शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। बताया कि शराब पीकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। गांव में शांति एवं भाईचारा बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लोगों को जागरूक भी कर रहा है।

अफवाह पर ध्यान न दें

थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि मतदान से पहले सरपंच पद के दोनों उम्मीदवारों को बुलाकर शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर बातचीत की जाएगी। उन्हें चुनाव के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने और किसी भी प्रकार के विवाद से बचने की सलाह दी जाएगी, ताकि मतदान प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। गांववासियों से अपील करते कहा कि मतदाता शांतिपूर्ण ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। पुलिस प्रशासन द्वारा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

गांव चाबरी में पुलिसबल तैनात

जींद। गांव चाबरी में रविवार को होने वाले सरपंच पद उपचुनाव को लेकर पुलिस द्वारा निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर बेहद कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से चार नाके लगाए गए हैं। चुनाव से पूर्व शनिवार को डीएसपी संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने गांव में फ्लैग मार्च निकाला ताकि लोग शांति पूर्ण तरीके से निष्पक्ष मतदान कर सके। गांव चाबरी के सरपंच रोहताश की मौत के बाद से संरपंच पद खाली हुआ था। जिसके उपचुनाव की घोषणा के साथ बिजेंद्र, राकेश तथा विनोद ने आवेदन किया था। गांव मतदाताओं की सख्या 1224 है। जिसमें 639 पुरूष तथा 525 महिला मतदाता है। रविवार को होने वाले चुनाव को लेकर पुलिस ने गांव में शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सौ से ज्यादा पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई सुरक्षा की कमान उचाना के डीएसपी सजय कुमार को सौंपी गई। शनिवार को डीएसपी संजय कुमार के नेतृत्व मे पुलिस बल ने गांव मे फ्लैग मार्च किया। जो गांव से स्कूल से होकर गांव की गलियो तथा पोलिग बुथो से हो कर गुजरा और शांतिपूर्ण ढग से मतदान की अपील की गई। डीएसपी संजय कुमार ने बताया की गांव के बाहरी रास्तो पर चार पुलिस नाके लगाए गए हैं। मतदान के दौरान वह पुलिस बल के साथ सुरक्षा मे तैनात रहेंगे। मतदान शांतिपूर्ण तथा निष्पक्ष होगा। गांव मे फ्लैग मार्च भी निकाला गया है।

फिर मिली धमकी-पांच माह पहले भी मांगी थी चौथ

युवकों ने दुकानदार से मांगा नंबर, बोला-बॉस करेगा बात

बदमाशी के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं: मंत्री बेदी

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मौके पर पहुंचे दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना के अपोलो चौक पर जैन की दुकान के मालिक नरेश जैन से शनिवार को एक बार फिर चौथ मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकान मालिक ने मामले की शिकायत पुलिस को की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नरवाना के अपोलो चौक पर शनिवार को पांच संदिग्ध व्यक्ति दुकान पर आए और उनका मोबाइल नंबर देने की बात कही। युवकों ने कहा कि हमारा बॉस आपसे बात करेगा। जब दुकान के मालिक नरेश जैन ने उनको अपना मोबाइल नंबर नहीं दिया तो उन व्यक्तियों ने बाहर जाकर उनके दुकान के बाहर लगे साइन बोर्ड की फोटो खींच कर कहने लगे कि अब हमारा बस आपसे बातचीत करेगा। दुकान का मालिक नरेश जैन ने तुरंत प्रभाव से मामले की सूचना पुलिस को दी। जिस पर पूरा नरवाना प्रशासन दलबल के साथ अपोलो चौक पर पहुंचा। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले नरेश जैन की दुकान पर चौथ मांगी गई थी और दुकान के बाहर लगे शीशे पर गोली चलाई गई थी। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने तुरंत एक्शन मोड़ लेते मात्र 24 घंटे के अंदर ही सीआईए स्टाफ व पुलिस ने बदमाशों को धर दबोचा था। शनिवार को जैसे ही नरेश जैन की दुकान पर इस वारदात का पता चला तो कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी तुरंत मौके पर पहुंचे और सीआईए स्टाफ नरवाना व एसपी को तुरंत फोन पर संपर्क कर जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने का आदेश दे दिया।

नरवाना। दुकानदार से बातचीत करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी। *फोटो :हरिभूमि*

नरवाना। दुकान के बाहर तैनात पुलिस के जवान। *फोटो :हरिभूमि*

व्यापारी बेखौफ होकर अपना व्यापार करें

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि बदमाशी के लिए हरियाणा में कोई जगह नहीं है। व्यापारी बेखौफ होकर अपना व्यापार करें। अपराध मुक्त रहेगा हरियाणा। फिलहाल नरेश जैन को सुरक्षा मुहैया करा दी गई है व पूरा का पूरा पुलिस प्रशासन व सीआईए स्टाफ सीसी टीवी फुटेज खंगाल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वाहन चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, नौ बाइक बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ नरवाना ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिल चोरों की निशानदेही पर चोरीशुदा नौ मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस दोनों मोटरसाइकिल चोरों ने वाहन चोरी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है। सीआईए प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि टीम नरवाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि गांव बाहरी (करनाल) निवासी अमन व सिंसर निवासी जोगिंद्र चोरी की बाइक पर नरवाना की तरफ आ रहे हैं। सीआईए टीम ने तुरंत नाकाबंदी करके दोनों आरोपितों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित काबू कर लिया। दोनों मोटरसाइकिल आरोपितों द्वारा नरवाना से ही चोरी की गई थी। सीआईए टीम ने आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की तो आरोपितों ने चोरी की नौ वारदातों का खुलासा किया। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी कर आठ अन्य चोरी की हुई मोटरसाइकिलें बरामद कर ली। दोनों आरोपितों के खिलाफ शहर थाना नरवाना पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उप अधीक्षक नरवाना कमलदीप राणा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें तथा नशा तस्करी या अन्य किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अपने वाहनों को अच्छे लॉक सिस्टम के साथ पार्क करें।

बायो गैस प्लांट के विरोध में होने वाली महापंचायत को लेकर अलख जगाते आम लोग।

बायो गैस प्लांट को लेकर आज होगी महापंचायत

जींद। गोहाना रोड के नजदीक रिहायशी क्षेत्र में बने बायो गैस प्लांट को शिफ्ट कराने के मसले में रविवार को कई कॉलोनियों और कई गांव के लोग एक महापंचायत करेंगे। बायो गैस प्लांट के सामने होनी वाली इस महापंचायत में मार्गदर्शन के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों से शामिल होने की अपील की गई है। महापंचायत में निर्णय होगा की बायो गैस प्लांट को बंद करवाने के लिए कोर्ट का रास्ता अपनाया जाए या फिर आंदोलन का रास्ता इख्तियार किया जाए। नरेश मनवाला, बिजेंद्र दहिया, सतबीर कुंडू आदि ने कहा कि रिहायशी क्षेत्र में बायो गैस प्लांट का लगना किसी भी तरीके से उचित नही है। जिस भी कंपनी ने यह बायो गैस प्लांट लगाया है यदि उससे पहले मुनादी या अन्य तरीके से प्रचार कर 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों से आपत्ति जानी होती तो कोई भी इसे यहा स्वीकार नहीं करता। जब यह पूर्ण तौर से चलने लगेगी तो इसका व्यापक एरिये में असर देखने को मिलेगा। अगर इस स्थान पर कोई मोल, युनिवर्सिटी, अस्पताल बनता तो कोई आपत्ति नहीं होती।

प्रतिबंधित गोलियों के साथ बाइक सवार काबू

जींद। जिला जींद में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने एक युवक को 300 प्रतिबंधित नशीली गोलियों व बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफतार युवक से प्रतिबंधित नशीली गोलियों के बारे में पूछताद कर रही है। डिटेक्टिव स्टाफ जींद के इंचार्ज निरीक्षक मनीष कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उनकी एक टीम उपनिरीक्षक समरजीत के नेतृत्व में बस अड्डा उचाना कलां के पास गश्त कर रही थी। तभी पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक मोटरसाइकिल पर नशीली गोलियां लेकर उचाना कलां की ओर आ रहा है।

शराब कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा दे ₹80 लाख हड़पने का आरोपित दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ रुपये मांगने पर आत्महत्या करने की धमकी देने का आरोप

शहर थाना पुलिस ने शराब कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा दे 80 लाख रुपये हडपने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव शाहपुर निवासी विरेंद्र ने गत 13 मार्च को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका अनाज मंडी में आढ़त की दुकान है। सैक्टर आठ निवासी सुभाष से उसकी पुरानी जान पहचान रही है। जनवरी 2021 मे सुभाष उसके पास आया और कहा कि एल वन शराब के टेंडर निकले हुए है। दोनों पार्टनरशिप में एल वन ले लेंगे। जिसमें आपको एक करोड़ रुपये निवेश करना होगा। जिस पर उसने मना भी किया लेकिन वह बार-बार उसके पास आता रहा। जिसके बाद सुभाष, उसका बेटा सौरभ तथा उसकी पत्नी उसकी दुकान पर आए। तीनों ने उसे विश्वास में ले लिया। फिर लाइसेंस फीस भरने, स्टाक लेने की बात कही और ऐसा न करने पर पलेंटी का भय दिखाया। जिस पर उसने 80 लाख रुपये आरोपितों को कैश दे दिया। जिसके बाद दो अगस्त 2021 को दस लाख रुपये फिर ले गए। जब उसने पार्टनशिप के दस्तावेज तैयार करने को कहा तो वह टालमटोल करने लगा। जिसके बाद आरोपित ने उसे एक करोड़ की एंट्री लेजर बुक में दिखाई। आरोपित ने उसकी राशि ब्याज सहित देने का आश्वासन दिया। 19 लाख 50 हजार रुपये आरोपित ने दे भी दिए। जब उसने सुभाष से 80 लाख रुपये वापस मांगे तो आरोपित ने दिसंबर 2022 में ब्याज सहित देने की बात कही। फिर आरोपित ने अपनी पत्नी के नाम का प्लाट उसके नाम करवाने की बात कही। जिसकी कीमत एक करोड़ रुपये बताई गई।

कैंटर से डेढ़ सौ किलोग्राम चूरापोस्त बरामद

■ मध्यप्रदेश से तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा था चूरा पोस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ नरवाना ने गांव घसो कलां बस अड्डे कर कैंटर को काबू कर उसमें से 150 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। चूरा पोस्त को मध्य प्रदेश से तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा था। उचाना थाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों नशा तस्करों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ नरवाना को सूचना मिली थी कि मध्य प्रदेश से पंजाब की तरफ ले जाया जाना है। जिसके आधार पर सीआईए स्टाफ ने जींद-पटियाला नेशनल हाइवे के गांव घसो कलां बस अड्डे पर नाकाबंदी कर जींद की तरफ से आने वाले वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद पंजाब नंबर का कैटर आया। जिसको रूकवा कर पुलिसकर्मियों ने तलाशी ली। जब उन्होंने कैंटर के तिरपाल को हटा कर देखा तो पांच कट्टे चूरा पोस्त के भरे मिले। जिनका वजन 150 किलोग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में कैंटर की ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति की पहचान गांव गिंदडविडी जिला लुधियाना (पंजाब) निवासी लवदीप सिंह के रूप में हुई। जबकि उसके बगल में सीट पर बैठे युवक की पहचान उसी गांव के लवप्रीत के रूप में हुई। सीआईए स्टाफ ने चूरा पोस्त समेत कैंटर को कब्जे में ले दोनों आरोपितों को उचाना थाना पुलिस के हवाले की दिया। उचाना थाना पुलिस ने लवदीप तथा लवप्रीत के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

दो तस्कर दबोचे

पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर।

कैंटर में नशीला पदार्थ तस्करी कर पंजाब की तरफ ले जाया जाना है। जिसके आधार पर सीआईए स्टाफ ने जींद-पटियाला नेशनल हाइवे के

नेटवर्क के बारे में पूछताछ जारी

सीआईए नरवाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि चूरा पोस्त को मध्य प्रदेश से कैटर में तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा था। दोनों आरोपितों से नशे के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर जा रही है।

दो करोड़ 58 लाख 83 हजार 542 रुपये की धनराशि का हुआ सेटलमेंट

राष्ट्रीय लोक अदालत में 9138 केसों का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की अध्यक्षता में न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जसवीर सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जींद, फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज कीर्ति जैन, विवेक सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट जींद, पारिंदर सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट जींद, अश्विनी गुप्ता प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट नरवाना, अनीशा रानी प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए। लोक अदालत में कुल 9871 मामले रखे गए। इनमें से 9138 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया। इसमें दो करोड़ 58 लाख 83 हजार 542 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में कई तरह के मामले रखे गए। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है। जिससे समय व धन की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बना रहता है। सभी पीठासीन अधिकारियों, लोक अदालत में कार्यरत सभी कर्मचारी व अधिवक्ताओं को लोक अदालत के सुचारू रूप से संचालन के लिए शुभकामनाएं भी दी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, बिजली विभाग आदि के कार्य की सराहना की।

जींद। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनवाई करते न्यायाधीश।

अवसर का लाभ उठाएं

अमित सिहाग ने बताया कि लोक अदालत में मोटर व्हीकल दुर्घटना से संबंधित सात मामले, हिंदू मैरिज एक्ट से संबंधित 75 मामले, चेक बाउंस से संबंधित 187 मामले, दीवानी मामलों से संबंधित 173 मामले, आपराधिक मामलों से संबंधित 951 मामले, बैंक लोन से संबंधित 14 मामलों का निपटान किया गया। लोक अदालत में आए 9,871 मामलों में से 9,138 मामलों का निपटान किया गया। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि आगामी 30 मई को चेक बाउंस से संबंधित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं बैंक वित्तीय संस्थानों से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने मामलों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निपटारा करवाएं।

कैथल। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

कैथलः आपसी सहमति से 7308 मामलों का निपटारा

कैथल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही की देखरेख में 9 मई को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया और लोगों को प्रेरित किया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को निपटा कर लोक अदालत का फायदा उठाएं। इस लोक अदालत में नंदिता कौशिक, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अर्पणा भारद्वाज, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिविजन), संदीप कौर सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन), तुषार शर्मा सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन), साक्षी मेंगी सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन), कैथल और राजविंदर सिंह अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) गुहला डिविजन के बेंच गठित किए गए थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 12789 लंबित मामलों को रखा गया था। इसमें से 7308 मामलों का निपटारा किया गया।

खबर संक्षेप

दालमवाला स्कूल में लगा रक्तदान-नेत्र जांच शिविर

जींद। महीने के दूसरे शनिवार को दालमवाला पब्लिक स्कूल में पीटीएम के साथ-साथ रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ। रक्तदान शिविर में जींद के मेट्रो अस्पताल की मेडिकल टीम ने अपना योगदान दिया। दालमवाला पब्लिक स्कूल में अध्यापक अभिभावक मीटिंग में पहुंचे। स्कूल निदेशक मोहित दालमवाला ने बताया कि अभिभावकों ने बच्चों की अपडेट लेने के साथ रक्तदान करते अपनी-अपनी आंखों की भी जांच करवाई और नेत्र जांच डॉक्टर आशीष ने उन्हें उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

खांडा स्कूल में पक्षियों के लिए लगाए स्कोरे

जींद। राजकीय वरिष्ठ मध्यमिक खांडा में एनएसएस अधिकारी देवेंद्र कौशिक ने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर विद्यालय में वृक्षों पर पक्षियों के लिए स्कोरे लगाए। प्रधानाचार्य डा. अशोक कुमार ने कहा कि हर व्यक्ति व सामाजिक संस्था को भीष्ण गर्मी को देखते स्कोरे अवश्य वृक्षों पर लटकाने चाहिए ताकि पक्षी पानी पी सकें। इस मौके पर संजीव कुमार, डा. रामचंद्र व स्वयंसेवक मौजूद रहे।

खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव मनाया

नरवाना। नरवाना के हुड्डा ग्राउंड में शुक्रवार को द्वितीय खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बाबा श्याम के लाडले संस्था द्वारा पिछले कई दिनों से इस आयोजन की तैयारी को लेकर काफी जोश था। इस आयोजन में भव्य पंडाल इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा का विशेष प्रबंध रहा। इसके साथ-साथ अलौकिक बाबा श्याम का श्रृंगार और छप्पन भोग का प्रसाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। महोत्सव में विशेष रूप से श्याम रसोई का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन कलाकार अभिषेक नामा जयपुर वाले व सुप्रसिद्ध भजन गायिका शर्मा सिस्टर कानपुर वाली श्याम बाबा के भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

छात्राएं निर्धारित समय सीमा में पंजीकरण करें

जींद। उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर कॉलेजों में ऑनलाइन प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया सात मई को प्रारंभ प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक छात्राएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकती हैं। हिंदू कन्या महाविद्यालय की प्रबंधक समिति द्वारा मेधावी एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु फीस में विभिन्न योजनाएं लागू की गई है। शैक्षणिक क्षेत्र में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को फीस में बिना किसी शुल्क के पूर्ण रूप से मुफ्त दाखिला दिया जाएगा।

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर करें निवारण

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान हो इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सीएम विंडो व जनसंवाद जैसे पोर्टलों की शुरूआत की है ताकि लोगों को अपनी शिकायतों का समाधान करवाने का एक मंच मिल सके। इसलिए इन पोर्टलों पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्धता के साथ निवारण करें ताकि लोगों को समस्याओं से राहत मिल सके।

जिला एवं ब्लॉक स्तर पर होगी समीक्षा बैठक

जींद। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली डीपीआईयू तथा सीपीआईयू (कलस्टर प्रोजेक्ट इ प्लीमेंसन यूनिट) बैठकों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश ने बताया कि परिषद की ओर से जारी पत्र में जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, डाइट प्राचार्यों, जिला परियोजना समन्वयकों को अप्रैल 2026 की समीक्षा बैठकों में विशेष एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में मातृ दिवस का भव्य एवं भावनात्मक आयोजन

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मां का योगदान सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. पूनम

बच्चों के जीवन में मां का स्थान सर्वोपरि

माताओं ने अपने बच्चों के साथ सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोहा

जींद। स्टेज पर नृत्य करते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में मातृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास प्रेम एवं भावनात्मक वातावरण के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में माताओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व के महत्व को सम्मान देना तथा मां और बच्चों के अटूट रिश्ते को और मजबूत बनाना था। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में डा. पूनम एसोसिएट प्रोफेसर एवं केपीआई की संस्थापक उपस्थित रही। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मां केवल एक शब्द नही बल्कि त्याग, प्रेम, समर्पण और संस्कारों की जीवंत प्रतिमा होती है। मां ही बच्चे की प्रथम गुरु होती है, जो उसे जीवन के हर कदम पर सही मार्गदर्शन प्रदान करती है। उन्होंने सभी माताओं की भूमिका की सराहना करते कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मां का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित दिव्या ने भी मातृ शक्ति को नमन करते सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की तथा बच्चों एवं माताओं के बीच प्रेम और आत्मीयता को समाज की सबसे बड़ी शक्ति बताया। कार्यक्रम में ज्योति सैनी, अर्जिता गुप्ता सहित विद्यालय स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी माताओं का स्वागत करते उनके सहयोग एवं सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान माताओं एवं बच्चों ने मिलकर रंगारंग प्रस्तुतियां दी। माताओं ने अपने बच्चों के साथ सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, खेलों एवं प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें माताओं ने पूरे उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ भाग लिया।

प्रेम, त्याग एवं समर्पण को नमन किया

बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को भावुक और आनंदमय बना दिया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी माताओं की ऊर्जा, उत्साह एवं प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रत्येक माता ने यह संदेश दिया कि परिवार और बच्चों के जीवन में माँ का स्थान सर्वोपरि होता है। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं देते उनके प्रेम, त्याग एवं समर्पण को नमन किया। यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक, भावनात्मक एवं अविस्मरणीय रहा।

आधारशिला पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस मनाया

जींद। आधारशिला पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा चौथी के बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि की भूमिका में नगर परिषद अध्यक्ष डा. अनुराधा सैनी ने शिरकत की। इसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, भाषण इत्यादि गतिविधियों द्वारा मां के प्रति अपनी संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया। मां विषय पर आधारित लघु नाटिका को इतनी जीवंतता से प्रस्तुत किया कि वहां उपस्थित सभी दर्शक भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम में मांओं के लिए भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सभी ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मां के बिना सृष्टि की कल्पना करना भी नामुमकिनः प्राचार्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा चौथी और पांचवीं के सभी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंडस ग्रुप के निदेशक सुभाश श्योराण, इंडस ग्रुप के कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी, स्कूल निदेशिका रचना श्योराण, स्कूल प्राचार्या अरूणा शर्मा, उपप्राचार्य प्रवीन कुमार, मुख्याध्यापिका गुरमीत कौर ने दीप प्रज्वलित करके किया। इंडस पब्लिक स्कूल जींद की प्राचार्या अरूणा शर्मा ने आए अभिभावकों का हार्दिक स्वागत किया। छात्रों ने मातृदिवस पर समूह गीत, प्रेरक नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इसके साथ-साथ अभिभावकों की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। प्रेरक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। इंडस ग्रुप के कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी ने सभी माताओं को मातृ दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मातृ दिवस सिर्फ एक दिन नही बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण को सलाम करने का अवसर है, जो हर मां अपने बच्चों और परिवार के लिए करती है। जिसके बिना हर घर अधूरा है। वह हमारे जीवन की पहली शिक्षक और मार्गदर्शक है। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या अरूणा शर्मा ने जीवन में मातृ दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि विश्व में सबसे बड़ा दर्जा मां का माना जाता है। मां के बिना सृष्टि की कल्पना करना भी नामुमकिन है। जिस घर में मां है, उस घर में प्रत्यक्ष रूप से ईश्वर का वास है। मां का साया बड़े-बड़े दुखों एवं कष्टों को भी दूर कर देता है। स्कूल उप प्राचार्य प्रवीन कुमार ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

नरवाना। बच्चों को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

प्रतिभा को निखारने के लिए अनुशासन की आवश्यकता

नरवाना। केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य डा. राजकुमार ख्यालिया व विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर डा. संतरो लांबा रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डा. मीनू सिंह ने की। कार्यक्रम में शैक्षणिक, खेलकूद, प्रतियोगी और सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कॉलेज पहुंचने पर कॉलेज काउंसिल द्वारा मुख्य अतिथि विशिष्ट व अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। राजकुमार ख्यालिया और कॉलेज काउंसिल के सदस्यों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यअतिथि ने संबोधन में कहा कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती लेकिन उसे निखारने के लिए अनुशासन निरंतरता और समर्पण की आवश्यकता होती है। आधुनिक युग में आवश्यकता है कि विद्यार्थी केवल डिग्री धारक न बने बल्कि अपने अंदर कौशल विकसित करें जिससे समाज और राष्ट्र का निर्माण हो सके।

कलायत क्षेत्र से गेहूं चोरी मामले में आरोपी दबोचा

कैथल। कलायत क्षेत्र से गेहूं चोरी मामले की जांच एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई प्रदीप की अगुवाई में एचसी अनिल कुमार की टीम द्वारा करते आरोपी गांव भाणा निवासी अनिल को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की रोहताश कुमार प्रोपराइटर मैसर्ज एस आर ट्रेडिंग कंपनी अनाज मंडी सब सेंटर बडसीकरी खुर्द की शिकायत अनुसार 1 मई को 3 से 4 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति द्वारा सब सेंटर बडसीकरी खुर्द स्थित परचेज सेंटर से 20 कट्टे गेहूं चोरी कर लिए गए थे। चोरी किए गेहूं का वजन 10 क्विंटल बताया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार चोरी की वारदात जम्मू कटरा हाईवे के पास बालू रोड स्थित परचेज सेंटर से हुई थी। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया था। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा 6 कट्टे गेहूं तथा वारदात में प्रयुक्त ऐरटिका गाड़ी बरामद की गई।

डीएवी स्कूल में मदर्स-डे धूमधाम से मनाया

- माताओं ने दिखाया सिंगिंग, डांसिंग से लेकर रैंप वॉक तक का जलवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में मांओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

डीएवी पब्लिक स्कूल में मदर्स डे के अवसर पर माताओं के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्कूल प्रबंधन ने इस दिन को यादगार बनाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी। डांसिंग कंपटीशन में माताओं ने अपने बच्चों के साथ पुराने फिल्मी गानों से लेकर हरियाणवी लोकगीतों पर प्रस्तुति दी और खूब तालियां बटोरी। स्वर कोकिला प्रतियोगिता में मांओं ने बहुत ही सुंदर गीत सुरीले सुरों में गाए और सबका मन मोह लिया। शेफ प्रतियोगिता में मम्मी के हाथ का जादू देखने को मिला। माताओं ने सैंडविच, भेलपुरी, कुकुंबर बोट, फ्रूट चाट, मोहितो और केक बना कर जजों का दिल जीत लिया। क्रिएटिव मॉम, क्रिएटिव किड्स के अनूठे इवेंट में माताओं ने अपनी क्रिएटिविटी का रंग बिखेरा। प्रिंसिपल डा. नीरज कुमार ने कहाए क्रिएटिविटी का पहला स्कूल घर होता है और पहली टीचर मां। आज हमने इसी बॉड को सेलिब्रेट किया है। राइटिंग विजर्ड में मांओं ने अपनी सुंदर लेखनी का प्रदर्शन किया। रैंप वॉक का तड़का कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा रहा। सुपर मॉम रैंप वॉक में माताएं पारंपरिक और पाश्चात्य परिधानों में रैंप पर उतरीं। बच्चों ने रैंप वॉक में अपनी माता का पूरा साथ दिया। स्टेज पर आई सभी जोडिय़ों का तालियों से स्वागत किया गया। स्कूल द्वारा मदर्स डे पर इको फ्रेंडली मॉम की पहल की गई। माताओं ने मदर्स डे पर शहर के पार्क में वृक्षारोपण किया। माताओं ने बच्चों संग नीम, तुलसी, इरस्तुनिया आदि के पौधे लगाए, उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण बचाने की शपथ ली। प्रिंसिपल ने कहा कि हरी धरती ही बच्चों को सबसे बड़ा तोहफा है। प्रिंसिपल डा. नीरज कुमार ने कहा कि मां बच्चे की पहली शिक्षक होती है। आज हमने माताओं को स्पेशल फील कराने के लिए ये पहल की है।

नगूरां पीएचसी में गर्भवतियों के स्वास्थ्य की जांच करती चिकित्सा प्रभारी डा. दीक्षा यादव।

शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए शिविर लाभदायक

अलेवा। सिविल सर्जन जींद डा. सुमन कोहाली के निर्देशानुसार शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत पीएचसी नगूरां में गर्भवती महिलाओं के लिए एक विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगूरां चिकित्सा अधिकारी डा. दीक्षा यादव ने की। शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं का बीपी, वजन, हीमोग्लोबिन, शुगर, पेशाब एवं अन्य आवश्यक जांची की गई तथा आवश्यक दवाइयों एवं पौष्टिक डाइट का वितरण भी किया गया। साथ ही महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, संस्थागत प्रसव एवं नियमित जांच के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सा अधिकारी डा. दीक्षा यादव ने बताया गया कि प्रत्येक माह की नौ तारीख को आयोजित होने वाला यह अभियान गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी लाभार्थियों से समय पर जांच करवाने की अपील की गई। स्टाफ नर्स मोनिका, फार्मासिस्ट वरुण, राकेश एलटी, सीएचओ नीतू, एएनएम दर्शना, एएनएम नवीन सहित आशा वर्कर्स आदि मौजूद रहे।

रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाया

- लोगों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत रधाना गांव में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह, स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह के नेतृत्व में रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाया। जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया व पंपलेट बांटे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने गांव के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया। इस दौरान बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उनकी रक्त पट्टिकाएं बनाई गई ताकि समय रहते मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा सके। स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर लोगों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यदि किसी व्यक्ति को बुखार आता हैए तो उसे नजरअंदाज न करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाएं। बताया कि समय पर जांच और सही इलाज से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने मलेरिया के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें ठंड लगने के साथ तेज बुखार आता है, जो बार-बार चढ़ता व उतरता है। गर्मी लगती है और फिर पसीना आकर बुखार उतर जाता है। पूरे शरीर में थकावट रहती है, उल्टी व सिर दर्द होता है। ऐसे में लापरवाही करना खतरनाक हो सकता है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा नीम के पत्तों का धुआं करें।

जींद। सफाई कर्मियों की हड़ताल का समर्थन करते पार्षद। *फोटो :हरिभूमि*

पार्षद एसो.ने किया सफाई कर्मियों की हड़ताल का समर्थन

जींद। नगर परिषद जींद में सफाई कर्मचारियों की अपनी मांगों को लेकर राज्यस्तरीय हड़ताल पिछले नौ दिनों से लगातार जारी है। शनिवार को नगर परिषद जींद की पार्षद एसो के प्रधान सतीश हरियाणवी के नेतृत्व में पार्षदों ने भी कर्मचारियों का समर्थन किया। अपने वक्तव्य में पार्षद सतपाल कुंडू, डा. बलवीर श्योराण ने हड़ताल के चलते इन कर्मचारियों को हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया और 5100 रुपये नगद देकर उनका हौंसला बढ़ाया। उम्मीद है कि सरकार जल्द ही कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का काम करेगी और शहर में सफाई का काम सुचारू रूप से चालू हो जाएगा। नप हरीश अरोड़ा, महावीर रेढू, संजय वत्स, महिपाल कौशिक, सियाराम गोयल, राकेश चुघ, प्रदीप सिंगरोहा, नरेश सैनी, सुनील कुमार, संजय गांधी के अलावा सफाई कर्मचारी प्रधान ब्रिजेंद्र सिंह व हड़ताल अध्यक्ष सोहन लाल व सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह में श्रद्धालुओं ने यज्ञ में डाली आहुति

सशक्त, शिक्षित और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना आर्य समाज का उद्देश्य : पंडित प्रताप आर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। यज्ञ में आहुति डालते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

आर्य जगत के भजनोपदेशक पं. प्रताप आर्य वैदिक ने कहा कि महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज केवल धार्मिक सुधार का माध्यम नहीं बल्कि शिक्षा, समाज सुधार, राष्ट्रभक्ति और मानव सेवा का शक्तिशाली आंदोलन रहा है। सशक्त, शिक्षित और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना आर्य समाज का उद्देश्य है। आर्य जगत के भजनोपदेशक पं. प्रताप आर्य आर्य समाज रामनगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह के दूसरे दिन शनिवार को उपस्थित श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आर्य समाज द्वारा किए गए कार्यों एवं योगदान का वर्णन करते हुए कहा कि आर्य समाज ने सबसे पहले समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वासों, जात-पात, छुआछूत और बाल विवाह जैसी बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाई। महिलाओं को शिक्षा एवं सम्मान दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाए। विधवा विवाह को प्रोत्साहन देकर समाज में नई चेतना का संचार किया। देश में शिक्षा के प्रसार हेतु आर्य समाज द्वारा हजारों विद्यालय, महाविद्यालय एवं गुरुकुल स्थापित किए। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों ने देश को अनेक विद्वान, वैज्ञानिक, शिक्षक, सैनिक और समाजसेवी दिए हैं। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आर्य समाज से प्रेरित अनेक क्रांतिकारियों और देशभक्तों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया।

ये रहे मौजूद

आर्य समाज रामनगर के संरक्षक कर्ण सिंह आर्य, प्रधान कंवर साहब आर्य, मंत्री अजीत कुमार आर्य, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण आय, उपमंत्री यज्ञवीर आर्य, प्रचार मंत्री हरिलाल आर्य, रणबीर आर्य, विजय आर्य, शमशेर आर्य, राजबीर आर्य, आर्य समाज जींद शहर के प्रधान पवन कुमार आर्य, मंत्री विनीता गुलाटी, कोषाध्यक्ष नरेश आर्य, पुरुषोत्तम दास बूरे वाला, कपूर सिंह गोसाईखेड़ा, धर्मवीर सिंह, निर्मला जिंदल, कौशल्या आर्या, राजकली आर्या सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जींद। लाइफ स्किल बेसिक पर आयोजित सेमिनार में भाग लेते शिक्षक।

लाइफ स्किल बेसिक पर शिक्षकों के लिए सेमिनार

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल जींद में लाइफ स्किल बेसिक पर शिक्षकों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। यह सेमिनार प्राचार्य डा. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस सत्र का नेतृत्व सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन डा. कनिका और डा. श्वेता जैन ने किया। इसका शुभारंभ रिसोर्स पर्सन और प्राचार्य डा. नीरज कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। रिसोर्स पर्सन डा. कनिका और डा. श्वेता जैन ने जीवन कौशल आधारित सीखने और आधुनिक शिक्षण विधियों पर बहुमूल्य जानकारी सांझा की। छात्रों के समग्र विकास में संचार कौशल, भावनात्मक विकास, आलोचनात्मक सोच और कक्षा में सकारात्मक बातचीत के महत्व को समझाया। दैनिक जीवन में ईमानदारी, सहानुभूति, सम्मान, जिम्मेदारी और अनुशासन जैसे मूल्यों के महत्व पर ज्ञानवर्धक जानकारी सांझा की। वास्तविक जीवन के उदाहरणों, आकर्षक गतिविधियों, सामूहिक गीत और समूह चर्चाओं ने इस सत्र को रोचक और सार्थक बना दिया।

पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से छात्रों से बांधा समां

इंडस प्ले-स्कूल में मदर्स-डे पर पूल पार्टी माताओं संग विद्यार्थियों ने किया डांस

कार्यक्रम में माताओं को विभिन्न पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

इंडस प्ले-स्कूल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में पूल पार्टी का विशेष आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें बच्चों के साथ उनकी माताओं को भी आमंत्रित किया गया, जिससे पूरे वातावरण में खुशी और उल्लास का माहौल बन गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पानी में विभिन्न खेलों का भरपूर आनंद लिया और अपनी माताओं के साथ मिलकर खूब मस्ती की। इस अवसर पर मदर्स डे के उपलक्ष्य में कई मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने उत्साह से कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए, जिन्होंने सभी का दिल जीत लिया और कार्यक्रम में चार-चांद लगा दिए। बच्चों ने भी अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें विशेष महसूस कराया। इस दौरान विद्यालय परिवार की ओर से माताओं को विभिन्न प्रकार के उपहार देकर सम्मानित भी किया गया, जिससे सभी माताएँ भावुक और प्रसन्न नजर आईं। विद्यालय की प्रिंसिपल तनु पुनिया जी एवं हेडमिस्ट्रेस अनीता मंचंदा जी ने सभी अभिभावकों एवं बच्चों को मदर्स डे की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों और अभिभावकों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

■ मनोरंजक गतिविधियों में माताओं ने मनमोहक नृत्य से जीता सबका दिल

कैथल। पूल पार्टी में मस्ती करते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

कैथल। राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में मदर्स डे मनाते बच्चे व उनकी मां। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल सभा सनातन धर्म मंदिर में आज मनाएगी भव्य मदर्स-डे

कैथल। अग्रवाल युवा सभा कैथल के तत्वावधान में अग्रवाल युवा सभा कैथल महिला इकाई द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाने की घोषणा की गई। यह कार्यक्रम कल श्री स्नातन धर्म मंदिर प्रांगण कोठी गेट कैथल स्थित पर 10 मई को आयोजित किया जाएगा। सभा के प्रधान रामप्रताप गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें बच्चों एवं माताओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। उन्होंने कहा कि समाज में माताओं का योगदान अतुलनीय है और मातृ शक्ति के सम्मान के लिए इस प्रकार के आयोजन समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं।

मदर्स-डे पर छात्रों ने नृत्य से मोहा मन

कैथल। राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में मदर्स डे बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, गीत एवं कविता मुख्य आकर्षण रहीं। बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान एवं कृतज्ञता को सुंदर प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यक्त किया। विद्यालय में विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिनमें माताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मदर्स डे के शुभ अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनू नरवाल द्वारा उपस्थित सभी माताओं को संबोधित किया गया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मा बच्चे के जीवन की पहली शिक्षक होती है, जो उसे संस्कार, प्रेम एवं जीवन के मूल्यों की शिक्षा देती है। उन्होंने माताओं के त्याग, समर्पण एवं स्नेह की सराहना करते हुए सभी को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

एमडीएन स्कूल में हुआ क्षमता निर्माण कार्यक्रम

कैथल। एमडीएन ग्लोबल स्कूल में वर्कशाप का शुभारंभ करते अधिकारी।

■ वास्तविक अधिगम स्वयं गतिविधियों व अनुभवों के माध्यम से संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सीबीएसई द्वारा एमडीएन ग्लोबल स्कूल कैथल में "ऐक्टिव लर्निंग" विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डा. विनोद कुमार, चेयरपर्सन निधि कंसल, प्रबंधक गौरव गर्ग, प्रधानाचार्य डा. सन्त कौशिक, रिसोर्स पर्सन डा. सुमिता ठाकुर तथा शिवानी चोपड़ा उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा रिसोर्स पर्सन्स का तिलक, बैज एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का संचालन षिवानी चोपड़ा द्वारा किया गया। उन्होंने "लर्निंग क्या है" एवं "एक्टिव लर्निंग" की अवधारणा को अत्यंत प्रभावशाली एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि वास्तविक अधिगम तभी संभव है जब विद्यार्थी केवल सुनने तक सीमित न रहकर स्वयं गतिविधियों, चर्चाओं, विश्लेषण और अनुभवों के माध्यम से सीखें।

अधिगम पर मंथन

डा. सुमिता ठाकुर ने सक्रिय अधिगम को कक्षा शिक्षण में प्रभावी रूप से लागू करने के विविध आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि आधुनिक शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता एवं आत्मविश्वास का विकास करना है। उन्होंने अनेक रोचक गतिविधियों एवं प्रस्तुतीकरणों के माध्यम से शिक्षकों को विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण की तकनीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को सहयोगात्मक अधिगम, अनुभवात्मक अधिगम, परियोजना आधारित कार्य, केस स्टडी एवं कक्षा में तकनीकी संसाधनों के समुचित उपयोग के विषय में भी व्यावहारिक जानकारी दी गई।

सरकार जनता को पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. मिड्ढा

■ जनसंवाद कार्यक्रम के तहत लोगों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। जन संवाद कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करना है ताकि आम नागरिकों को कार्यालयों के बार.बार चक्कर न लगाने पड़ें। मिड्ढा ने अपने आवास पर जनसंवाद कार्यक्रम के तहत क्षेत्र से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जींद। जनसंवाद कार्यक्रम में समस्याएं सुनते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ किया जागरूक

कैथल। स्वास्थ्य विभाग कैथल की ओर से "सेवा सद्भावना दिवस" के अवसर पर श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति व जीओ गीता परिवार, एवं पंजाबी वेलफेयर सभा कैथल द्वारा आयोजित शिविर में उपस्थित प्रमुख समाज सेवी एवं आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ पीसी-पीएनडीटी एक्ट के बारे में जागरूक किया गया। शिविर में सिविल सर्जन डॉक्टर रेनू चावला के मार्गदर्शन में पीएनडीटी के जिला नोडल अधिकारी डॉ सचिन मांडले के नेतृत्व बताया गया कि पीसी-पीएनडीटी का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना एवं लिंगानुपात में सुधार करना है। गर्भ में पल रहे शिशु का लिंग बताना, पूछना पूर्णतः गैरकानूनी है।

ढांड। जिला कांग्रेस कमेटी कैथल के अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड राहुल गुर्जर को नियुक्ति पत्र सौपते हुए। फोटो : हरिभूमि

खेड़ी रायवाली निवासी राहुल गुर्जर बने जिला युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष

ढांड। खेड़ी रायवाली निवासी युवा नेता राहुल गुर्जर को जिला युवा कांग्रेस कमेटी कैथल का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद ढांड क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में खुशी का माहौल है तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गुर्जर को बधाई दी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि राहुल गुर्जर लंबे समय से पार्टी संगठन में सक्रिय रहकर युवाओं के हितों की आवाज उठाते रहे हैं। उनकी मेहनत और सक्रियता को देखते हुए संगठन ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राहुल गुर्जर ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य करेंगे।

शिविर में 24 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

कलायत। गांव बाता में भारतीय मजदूर संगठन के तत्वाधान में बाबा ब्रह्मपुरी समाज सेवा समिति द्वारा रक्तदान और निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शुभारंभ ब्लॉक समिति प्रतिनिधि संजू राणा और ब्लॉक समिति सदस्य कुशल पाल राणा ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया। इस दौरान मुख्य रूप से महंत नरेश पुरी महाराज और महंत राजेश पुरी महाराज की उपस्थिति रही। उ शिविर में 24 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। जबकि 50 से अधिक ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच करवाकर निशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

7 जून को होगा 6वां श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

पूंडरी। श्री श्याम मित्र मंडल फतेहपुर-पूंडरी द्वारा 7 जून को 6वें श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन करनाल रोड स्थित रजनी रॉयल गार्डन, पूंडरी में सायं 6 बजे से आरंभ होगा। मंडल के सेवक डॉ. बलविंद्र मैहला संगरौली ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक शीतल पांडेय, नरेश सैनी और दर्पण शर्मा अपने मधुर भजनों से बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। संकीर्तन महोत्सव के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर बाबा श्याम के भजनों का आनंद लेंगे।

गर्भवती महिलाओं को दिया पोषण का संदेश

सीवन। गांव खरका स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्ञानोदय देवी की अध्यक्षता में सीबीई की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म अदा कर उन्हें स्वस्थ मातृत्व एवं शिशु देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को गर्भावस्था के समय संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा साफ-सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को बताया कि गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक भोजन का सेवन मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

यूथ क्लब पंजीकरण में तेजी लाएं: सतीश मच्छाल

कैथल। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग हरियाणा द्वारा युवा मामलों से संबंधित गतिविधियों को गति प्रदान करने के लिए जिला युवा समन्वयक अधिकारी कैथल सतीश मच्छाल ने राजकीय आईटीआई में जिले भर के पर खंड युवा समन्वयक अधिकारी एवं जूनियर खंड युवा समन्वयक अधिकारियों की बैठक ली। मच्छाल ने बताया कि विभाग की नीति के अनुसार प्रत्येक गांव में 15 से 29 साल के नौजवानों में सामाजिक गतिविधियों व राष्ट्रीय प्रेम की भावना जागृत करने के लिए 11 से 20 युवाओं का एक युवक मंडल अथवा युवती मंडल का गठन किया जाएगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 92 लोगों ने उठाया लाभ

पूंडरी। एक किरण उम्मीद की संस्था द्वारा पिलनी में ओएम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर पूंडरी के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में कुल 92 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा महिलाओं एवं ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य, सामान्य बीमारियों, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांचों पर विशेष ध्यान दिया गया।

कैथल। इंद्री से विधायक रामकुमार कश्यप ग्रामीणों को संबोधित करते हुए।

महर्षि कश्यप जयंती समारोह के लिए गांव-गांव पहुंच रहे विधायक कश्यप

कैथल। इंद्री से विधायक एवं हरियाणा विधानसभा में चीफ व्हीप राम कुमार कश्यप ने आगामी 24 मई को कैथल में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह को लेकर विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने नौच, माण्डी, कवारतन, सीवन तथा फ्रर्शमाजरा गांव में पहुंचकर समाज के लोगों से मुलाकात की और अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचने का आह्वान किया। राम कुमार कश्यप ने बताया कि महर्षि कश्यप जयंती इस बार कैथल की विस्तार मंडी में राज्य स्तर पर भव्य रूप से मनाई जाएगी। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

ज्ञानदीप स्कूल में 'किसमें कितना है दम' ऑडिशन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

राजौंद। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए छात्राएं।

राजौंद। रोहेड़ा रोड स्थित ज्ञानदीप वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डीडी पंजाबी चैनल के लोकप्रिय शो किसमें कितना है दम के लिए ऑडिशन आयोजित किए गए, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से ही हो गई थी। बड़ी संख्या में बच्चे अपने अभिभावकों के साथ विद्यालय पहुंचे और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने-अपने फॉर्म भरकर ऑडिशन के लिए लाइन में लगे। बच्चों में मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। स्कूल प्रबंधन और अध्यापकों ने पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किया, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था देखने को नहीं मिली। ऑडिशन के दौरान बच्चों ने अपनी-अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न विधाओं में भाग लिया। किसी ने डांस के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया तो किसी ने सिंगिंग में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। इसके अलावा बच्चों ने चित्रकला और लेखन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कैथल। विधायक आदित्य सुरजेवाला के साथ नवनियुक्त पदाधिकारी।

कैथल में विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जिला युवा कांग्रेस कार्यकारिणी की घोषित

कैथल। किसान भवन, कैथल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला युवा कांग्रेस की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने इस अवसर पर 74 नवनियुक्त पदाधिकारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में जिला उपप्रधान, जिला महासचिव, जिला सचिव, मुख्य प्रवक्ता, प्रवक्ता तथा सोशल मीडिया हैड जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गईं। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भरे किसान भवन में जोशीला माहौल रहा और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है। आज कैथल जिले में 74 युवा साथियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, इसका मतलब है कि हम युवा ऊर्जा को संगठित रूप से पार्टी और समाज की सेवा में लगाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा बेरोजगारी, महंगाई और भविष्य की अनिश्चितता से जूझ रहा है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पांच मई से जारी धार्मिक कथा में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा श्रद्धालुओं का उत्साह

महापुराण कथा समाज की सकारात्मक सोच का प्रतीक : अनीता ढुल

पिछले सप्ताह से लगातार जारी है कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|कलायत

कलायत में एक सप्ताह चलने वाली भगवान विश्वकर्मा महापुराण कथा का सिलसिला 5 मई से जारी है। शहर में चल रही इस धार्मिक कथा में श्रद्धालुओं का उत्साह दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कथा स्थल पर विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में पहुंचकर भक्ति भाव से कथा श्रवण कर रहे हैं। धार्मिक माहौल में पूरी श्रद्धा के साथ भागीदारी निभा रहे हैं। इस कड़ी में भाजपा नेत्री अनीता ढुल बढ़सीकरी ने धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। समाज के लोगों द्वारा कथा स्थल पर पहुंचने पर भाजपा नेत्री अनीता ढुल बढ़सीकरी व समाज सेवी राजेश अंबरसर का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। फूलमालाओं और जयघोष के बीच उन्हें सम्मानित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता युवा पार्षद प्रीत जगदेव ने की। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा के जयकारों के साथ धार्मिक आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। कथावाचक दर्शन धीमान ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार कथा का विधिवत संचालन करवाया। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा की महिमा, भारतीय संस्कृति में उनके योगदान एवं धार्मिक आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन दिखाई दिए और धार्मिक भजनों पर वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। मुख्य अतिथि अनीता ढुल बढ़सीकरी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा महापुराण कथा का वार्षिक आयोजन समाज की सकारात्मक एवं प्रेरणादायक सोच का प्रतीक है।

कलायत। भगवान विश्वकर्मा महापुराण कथा के दौरान मुख्य अतिथि का अभिनंदन करते आयोजक-संयोजक। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप जयंती पर लगाया भंडारा

राजौंद। राजौंद में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय और सामाजिक एकता से ओत-प्रोत नजर आया। आयोजकों द्वारा लोगों के लिए विशेष रूप से जलेबी और ब्रेड पकोड़े का वितरण किया गया।, सभी उत्साहपूर्वक भंडारे में पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान आयोजकों महाराणा प्रताप के जीवन और उनके वीरता भरे इतिहास को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप देशभक्ति, स्वाभिमान और त्याग के प्रतीक हैं, जिनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करते हैं। सभी ने मिलकर व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग दिया।

युवाओं ने किया महाराणा प्रताप को याद

सीवन। नगर के कैथल-पटियाला मुख्य मार्ग स्थित महाराणा प्रताप चौक पर महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर युवाओं ने संयुक्त रूप से हलवे का प्रसाद वितरित कर राहगीरों और श्रद्धालुओं को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन नगर के युवाओं द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित युवाओं ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को याद किया। सोनू राणा, सचिन राणा एवं राहुल राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। युवाओं को उनके आदर्शों पर चलकर समाज और देशहित में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में गौरव राणा, नरेंद्र राणा, लाभ राणा, प्रदीप सैनी, सुभाष शर्मा, अनुज शर्मा, शुभम शर्मा, संजू राणा, हरदीप राणा, दीपक राणा, लखन राणा, रवि राणा आदि मौजूद रहे।

सीवन। महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते युवा। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

चाबरी पंचायत उपचुनाव को लेकर धारा 163 लागू

जींद। जींद के गांव चाबरी में सरपंच पद के लिए होने वाले पंचायत उपचुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष सम्पन्न करवाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए गए हैं। गांव चाबरी में मतदान 10 मई को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्र पर ही मतगणना की जाएगी तथा परिणाम घोषित किया जाएगा। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी मतदान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी व्यक्ति को हथियार, लाठी, गंडासा, भाला, तलवार या अन्य ज्वलनशील सामग्री लेकर चलने की अनुमति नहीं होगी।

करोड़ा में हुई मारपीट में दो भाई घायल

कैथल। कैथल के गांव करोड़ा में हुई मारपीट में दो भाई घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव करोड़ा के जोगिंदर सिंह ने पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 मई को गांव के ही बलवान, प्रदीप, संदीप, बलबीर, सरोज तथा मितरो ने मिलकर लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसे तथा उसके भाई को घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले के जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

लाखों के जेवरात चुराने के आरोप में एक नामजद

कैथल। कस्बा सीवन के एक मकान से एक युवक लाखों के जेवरात और नकदी चुराकर ले गया। सीवन के साहिल सैनी ने थाना सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 मई की रात को जसमेर उर्फ जेपी नामक व्यक्ति उसके घर में घुसकर सोने व चांदी के जेवरात तथा 25000 की नकदी चुरा कर ले गया। चुराए गए सामान की कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है। मामले के जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक राजेश ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मांगें नहीं मानने पर आंदोलन और तेज करने की चेतावनी

9वें दिन भी जारी रही पालिका कर्मियों की हड़ताल, सरकार पर अनदेखी का आरोप

- शहरों के सफाई कर्मचारियों को 27 हजार रुपये वेतन देने का किया गया था वादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुहला-चीका

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर घोषित हड़ताल, जिसे बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया गया है, शुक्रवार को 9वें दिन भी जारी रही। नगर पालिका चीका के पेरोल सफाई कर्मचारी हड़ताल पर डटे रहे।

आज की हड़ताल की अध्यक्षता यूनियन ब्लॉक प्रधान पिरथी राम ने की, जबकि मंच संचालन सागर कुमार ने किया। हड़ताल को संबोधित करते हुए प्रधान पिरथी राम ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार अड़ियल रवैया अपना रही है। उन्होंने सरकार से बातचीत के माध्यम से पालिका, परिषद, निगम तथा फायर कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार कर्मचारियों की मांगों को नहीं मानती, तो नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज करेगा तथा शहरों में प्रदर्शन किए जाएंगे। पिरथी राम ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जींद में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में शहरों के सफाई कर्मचारियों को 27 हजार रुपये तथा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 26 हजार रुपये वेतन देने की घोषणा की गई थी, लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया गया।

गुहला चीका। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले 9वें दिन भी हड़ताल पर डटे रहे कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक प्रधान पवन शर्मा, जगबीर मान, यूनियन वरिष्ठ उपप्रधान चिंतो देवी, डोर-टू-डोर कर्मचारी गोपाल, काला, पेरोल कर्मचारी सुखविंदर, शंकर, विक्रम, रामनिवास, सागर, सुदेश, रानी, पालो, पिंकी, सुमन और कृष्णा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

माकपा ने किया सफाई कर्मियों की हड़ताल का समर्थन

जींद। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ने नगरपालिका कर्मचारियों की एक मई से चल रही हड़ताल और पिछले एक महीने से अधिक समय से जारी अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल का पुरजोर समर्थन किया है। पार्टी ने भाजपा सरकार की वादाखिलाफी की कड़ी निंदा की है। सीपीआई एम के जिला सचिव कपूर सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उनकी पुरानी घोषणाओं की याद दिलाते हुए कहा कि जब काम पक्का है तो नौकरी पक्की क्यों नहीं। भाजपा सरकार केवल कागजी विज्ञापनों में दलित हितैषी बनती है। जबकि धरातल पर सबसे ज्यादा शोषण दलित समाज से आने वाले सफाई कर्मचारियों का हो रहा है। वहीं दूसरी ओर जान हथेली पर रखकर काम करने वाले अग्निशमन कर्मचारी एक महीने से सड़कों पर हैं लेकिन सरकार की कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। कपूर सिंह ने मुख्यमंत्री से सीधे सवाल पूछे कि जींद में डीएससी समाज की रैली में की गई घोषणा को अब तक लागू क्यों नहीं किया गया। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का 26 हजार रुपये और शहरी सफाई कर्मचारियों का 27 हजार रुपये मासिक वेतन करने का वादा क्या केवल एक चुनावी जुमला था।

हड़ताल को युवा कांग्रेस हलकाध्यक्ष ने दिया समर्थन

उचाना। 1 मई से मांगों को लेकर नगर पालिका परिसर में हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों के बीच कांग्रेस युवा हलकाध्यक्ष उचाना संदीप वर्मा पहुंचे। संदीप वर्मा ने सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को समर्थन देते हुए उनकी मांगों को पूरा करने की मांग की। वर्मा ने कहा कि 1 मई से कर्मचारी हड़ताल पर बैठे है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जो भी मांगे सफाई कर्मचारी कर रहे है उनकी जायज मांगे है। सरकार को चाहिए कि इन मांगों को तुरंत प्रभाव से पूरा करें ताकि कर्मचारी अपनी हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटे। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों द्वारा 1 मई से हड़ताल शुरू की है जो 11 मई तक चलेगी। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शहर के बाजारों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने लगे है। आमजन, दुकानदार सहित हर कोई परेशान है। सफाई कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगे जब तक पूरी नहीं होती उनका धरना जारी रहेगा। पहले 7 मई तक हड़ताल थी जिसे बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया है। इस मौके पर शीला प्रधान, ओमपति देवी, सुरजी देवी, राजेश ढिलौड़, सतपाल, संतरो, राजकली मौजूद रही।

जींद। शहर में लगा कचरे का ढेर। *फोटो : हरिभूमि*

नगर परिषद सफाई कर्मचारियों ने 11 मई तक बढ़ाई हड़ताल

लगे कचरे के ढेर, नहीं हो रही सफाई

जींद। नगर परिषद सफाई कर्मचारियों की हड़ताल एक मई से जारी है। हड़तालरत कर्मियों की मांगें पूरी न होने के चलते लगातार हड़ताल बढ़ाई जा रही है। वहीं शहर में सफाई न होने के चलते आमजन परेशान है। जगह-जगह कचरे के ढ़ेर लग गए हैं। शनिवार को सफाई कर्मचारियों के धरने पर फायरमैन यूनियन के पदाधिकारी पहुंचे। प्रधान सुनील कुंडू ने कहा कि हडताल को 31 दिन हो गए हैं। आज वो नगर परिषद कर्मियों की हडताल में शामिल हुए हैं। कहीं भी सरकार का कोई भी नुमाइंदा प्रशासन ने इनके साथ जबरदस्ती या इन्हें उठाने का प्रयास किया तो इन साथियों के साथ प्रदेश का हर एक फायरमैन खड़ा होगा। सरकार की बुद्धि भ्रष्ट है। फायर का कर्मचारी सीजन के दौरान भी हडताल पर बैठा है। शहीद हुए कर्मियों को न्याय नही मिला है। सरकार कुंभकर्णी नींद में सोयी हुई है लेकिन नकारा सरकार को वो बताना चाहते हैं कि फायर व नगर पालिका सफाई कर्मियों का समाधान नही होता तब तक हडताल वापस नही ली जाएगी। नगर परिषद सफाई कर्मचारी यूनियन के सोहनदास ने कहा कि धरने का आठवां दिन है। राज्य कमेटी के आह्वान पर धरना 11 मई तक बढा दिया गया है। जब तक सरकार मांगों को नही मानेगी तब तक यह धरना चलता रहेगा। वहीं रोडवेज कर्मचारियों ने सफाई कर्मियों का समर्थन किया। जैसा भी सफाई कर्मचारी जो निर्णय लेंगे उनके साथ रोडवेज कर्मचारी साथ देंगे। रोडवेज कर्मचारी फायर कर्मियों के साथ हैं। तीन दिन में सरकार कर्मियों की मांग को पूरा करे नही तो रोडवेज कर्मचारी चक्का जाम भी कर सकते हैं।

कलायत में गली निर्माण में गड़बड़ी की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलायत

नगर पालिका द्वारा जारी निर्माण एवं विकास कार्यों में मिल रही गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर प्रशासन हरकत में है। गड़बड़ी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही तय है। ताजा घटनाक्रम में नेशनल हाई-वे से शहर में खरक वाला दरवाजा तक लाखों रुपए के बजट से बनने वाली गली के निर्माण में धांधली को लेकर एसडीएम अजय हुड्डा ने बारीकी से जांच तेज कर दी है। इसके तहत गली निर्माण पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए ने नगर पालिका अधिकारियों को तलब किया जा चुका है। अब इस मामले को लेकर आवाज उठाने वाले पार्षद एवं वित्तीय अनुमोदन समिति के पूर्व सदस्य प्रदीप राणा का पक्ष सुनने के बाद एसडीएम निष्कर्ष की तरफ बढ़ेंगे। आर.सी.सी. गली के निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की शिकायत सामने आने के बाद प्रशासन गंभीर रुख अपनाए है। प्रदीप राणा ने एसडीएम को लिखित शिकायत देकर चौकाने वाले पहलु सामने रखे हैं। पार्षद का आरोप है कि सबसे पहले गली निर्माण के एस्टिमेट की जांच जरूरी है।

पारदर्शिता को रखा जाएगा कायमः हुड्डा

एसडीएम अजय हुड्डा ने बताया कि मुख्य गली निर्माण में पारदर्शिता को कायम रखने के लक्ष्य को लेकर नगर पालिका सचिव और जेई को निर्देश दिए गए हैं कि वे शिकायत से जुड़े सभी दस्तावेज, रिकॉर्ड और साक्ष्य जांच में पेश करें। इस सबंध में शिकायतकर्ता पार्षद प्रदीप राणा को भी जांच में शामिल किया जाएगा। ताकि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जा सके। किसी भी स्तर पर विकास कार्यों में गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी।

जांच रिपोर्ट का भी इंतजार

नगर पालिका के विकास कार्यों पर यह पहली बार सवाल नहीं उठा है। इससे पहले शहर के सात पार्कों में सिक्योरिटी एवं रखरखाव टेंडर से जुड़े मामले की जांच डीसी के आदेश पर एडीसी द्वारा की जा रही है। आरटीआई के माध्यम से सबूत जुटाते हुए सुरेंद्र बैद्य ने शासन-प्रशासन से मामले की जांच की अपील की थी। इसके तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए डीसी द्वारा जांच के आदेश दिए गए। शहर के लोग एडीसी द्वारा की जा रही जांच रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गुहला चीका। धरने पर बैठे अग्निशमन विभाग के कर्मचारी। **फोटो : हरिभूमि**

32वें दिन भी जारी रही फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल

सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप

- मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज करने की चेतावनी

गुहला-चीका। अग्निशमन कर्मचारी संघ, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर जारी हड़ताल शुक्रवार को 32वें दिन भी जारी रही। चीका और सीवन के फायर कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से हड़ताल में भाग लिया। हड़ताल की अध्यक्षता फायरमैन गुरदीप राम ने की, जबकि मंच संचालन फायरमैन विजय सिंह ने किया। विजय सिंह ने कहा कि अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल को एक महीने से अधिक हो चुका है, लेकिन सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान कर्मचारियों के हितों की ओर बिल्कुल नहीं है।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार 17 सूत्रीय मांगों को नहीं मानती, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बताया कि हड़ताल को 10 मई तक बढ़ा दिया गया है, जबकि नगरपालिका कर्मचारी संघ ने हड़ताल 11 मई तक जारी रखने का निर्णय लिया है। विजय सिंह ने कहा कि विभागीय मंत्री विपुल गोयल अपना वादा भूल चुके हैं। मंत्री ने एक महीने के भीतर कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की कालकाजी स्टील केमिकल फैक्ट्री में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए फायर विभाग के दो कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दिया जाए तथा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस अवसर पर जगबीर मान, गुरदीप राम, विजय सिंह, पिरथी राम, धन्नाराम, मलकीत सिंह, अमर सिंह, अशोक कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

राहुल गांधी के शामिल होने से यात्रा पूर्ण : बृजेंद्र सिंह

उचाना। हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के गुरुग्राम में शामिल होने के बाद पूर्ण हो गई है। सद्भाव यात्रा के अभी 5 हलके बाकी है इसका समापन रोहतक में होगा। बृजेंद्र सिंह ने बताया कि यह यात्रा अब तक 85 विधानसभा क्षेत्रों से गुजर चुकी है। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह एक वीडियो जारी कर जनता का धन्यवाद किया है। बृजेंद्र सिंह ने दोहराया कि वह पहले दिन से कहते आ रहे थे कि राहुल गांधी इस यात्रा में जरूर शामिल होंगे। यह यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित है। सभी के साथ मिलकर **राहुल गांधी के संदेश को आगे बढ़ाएंगे** : बृजेंद्र सिंह के अनुसार, राहुल गांधी ने ऐसी यात्राओं को हर राज्य में निकालने की अपील की। इसका उद्देश्य कांग्रेस को हर प्रदेश में मजबूत करना और आमजन से सीधा जुड़ाव स्थापित करना है। सद्भाव यात्रा के अंतिम चरण में राहुल गांधी गुरुग्राम पहुंचे। बृजेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग यात्रा से जुड़े। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, प्रदेश के लोगों और अपने साथियों का धन्यवाद किया, जो इस कार्यक्रम में पहुंचे। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि सड़कों पर भीड़ और लोगों द्वारा राहुल गांधी का स्वागत किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि राहुल गांधी ने जो संदेश दिया है, उसे यात्रा समाप्त होने के बाद प्रदेश में सभी मिलकर आगे बढ़ाएंगे।

बाबा साहेब ने सभी को दिए समान अधिकारः संजीव

जींद। हरियाणा मानव आयोग के डीजीपी संजीव कुमार जैन ने कहा कि भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर ने भारत के निर्माण और सामाजिक उत्थान में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान किए और समाज को जाति एवं भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। जैन शनिवार को सफीदों के नागक्षेत्र हॉल में आयोजित डा. भीमराव अंबेडकर का राष्ट्र निर्माण में योगदान और समकालीन भारत में उनकी प्रासंगिकता विषय और कोई सताये हमें बतायें मुहिम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। डीजीपी संजीव कुमार जैन ने कहा कि बाबा साहेब केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे बल्कि आधुनिक भारत के ऐसे दूरदर्शी चिंतक थे। जिन्होंने देश की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया। संविधान की मूल भावना सामाजिक न्यायए समानता और भाईचारे पर आधारित है। जिसे प्रत्येक नागरिक को समझने और अपनाने की आवश्यकता है। महानिदेशक संजीव कुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि सभी मनुष्यों के शरीर में एक जैसी आत्मा निवास करती है।

महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

राजौंद के पुंडरी चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सभी बिरादरी के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के जीवन और उनके अदम्य साहस को याद किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में युवाओं को महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और स्वाभिमान से समझौता नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर समाज के बुजुर्गों ने युवाओं को शिक्षा, एकता और समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। साथ ही यह संकल्प लिया गया कि आने वाली पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन और उनके बलिदान के बारे में जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान माहौल पूरी तरह देशभक्ति और सम्मान से ओत-प्रोत रहा।

बारीक धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करें

पाई। भाकियू ने मोटी धान के साथ बारीक धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने की मांग की है। भाकियू के राष्ट्रीय सलाहकार अजीत सिंह हाबड़ी, कार्यकारी अध्यक्ष बलवान पाई ने बताया कि सरकार हर वर्ष मोटी धान का ही एमएसपी ही घोषित करती है। बारीक धान की निर्यातक ही मनमाने दामों पर खरीद करते हैं। कई बार तो ये निर्यातक बहुत ही कम दामों पर खरीद करते हैं। 1509 किस्स, 1718 किस्म, 1885 किस्म तथा 1401 किस्म का एमएसपी कम से कम 5000 रुपए तथा बासमती का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7000 रुपए प्रति क्विंटल घोषित करना चाहिए। मोटे धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ा कर 3000 रुपए प्रति क्विंटल करनी चाहिए। लगभग एक से डेढ़ महीने बाद धान की लगवाई शुरू हो जाएगी और किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य देखकर ही धान की किस्मों की लगाई करते हैं।

कैथल। जिंदल हाउस में उपचार के लिए पहुंचे ग्रामीण।

नवीन जिंदल फाउंडेशन ने 122 लोगों को उपलब्ध करवाईं स्वास्थ्य सुविधाएं

कैथल। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में आज जिन्दल हाउस में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सक टीम ने 122 मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। रक्तचाप, मधुमेह सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसके साथ ही 16 लोगों को रक्त परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में चलाई जा रही मोबाइल मेडिकल युनिट द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सांसद नवीन जिन्दल के 'स्वस्थ कैथल अभियान' के तहत यह पहल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों को संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित व्यायाम के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

जयंती देवी मंदिर में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

श्री सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर उमड़ेगी श्रद्धा

- पीएम नरेंद्र मोदी सोमनाथ से और सीएम नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से करेंगे संबोधित
- सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बनेगा जिला : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

एडीसी प्रदीप कुमार ने बताया कि श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 11 मई को जिला में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जयंती देवी मंदिर परिसर में किया जाएगा। जिसमें हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम तथा उचाना के विधायक देवेन्द्र चतुर्भुज अत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

एडीसी शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रम की तैयारियों बारे जरूरी दिशा निर्देश दे रहे थे। एडीसी प्रदीप कुमार ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां जा रही हैं। कार्यक्रम की शुरुआत 11 मई को सुबह 9 बजे शिव चौक से रूपया चौक होती हुई जयंती देवी मंदिर तक विशाल कलश यात्रा से होगी। जहां श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक किया जाएगा। इस कलश यात्रा में महिलाओं की विशेष भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के पुनरुत्थान के 75 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। क्योंकि इसका पुनरूत्थान देश की आजादी के बाद 1951 में हुआ था। उन्होंने कहा कि 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ मंदिर ने सदियों से राष्ट्रीय, दृढ़ता और आस्था के प्रतीक के रूप में अपनी पहचान बनाकर रखी है। इसलिए भारत सरकार द्वारा 11 जनवरी 2026 से आगामी एक वर्ष तक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों की श्रद्धा को देखते हुए काफी लोगों के पहुंचने की संभावना है। लिहाजा सभी आवश्यक प्रबंध पूरे किए जाएं।

जींद। मीटिंग की अध्यक्षता करते एडीसी। *फोटो : हरिभूमि*

डिजिटल स्क्रीन पर होगा सीधा प्रसारण

एडीसी ने बताया कि सुबह 10 बजे से 12 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के सोमनाथ से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेशवासियों से जुड़ेंगे। दोनों कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण जयंती देवी मंदिर परिसर में डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से दिखाया जाएगा।

भजन, कीर्तन और शिव महिमा से सजेगा माहौल

नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और विरासत से जोडने के उद्देश्य से कार्यक्रम स्थल पर भजन,कीर्तनए शिव महिला तथा गीतों का आयोजन भी किया जाएगा। एडीसी प्रदीप कुमार ने आमजन से अपील की कि वे इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लें और कार्यक्रम में उपस्थित होकर भारत के ऐतिहासिक व धार्मिक श्री सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करें।

एसडीएम ने किया कार्यक्रम स्थल का दौरा

बैठक के उपरांत एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने जयंती देवी मंदिर व शिव चौक का दौरा करते हुए कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। उन्होंने मंदिर के प्रबंधन एवं समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए बताया कि कार्यक्रम को भव्य बनाने में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। समय रहते सभी तैयारियां मुकम्मल की जाएं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली, पानी, साफ.-सफाई व्यवस्था, फलाहार तथा यातायात और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस कर्मचारी तैनात रहें। इस अवसर पर एसडीएम सत्यवान मान, डीएसपी संदीप सिंह, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, डीआईपीआरओ कृष्ण सहोत्रा, नगर निकाय के ईओ रिषिकेश, जयंती देवी मंदिर के मुख्य पुजारी नवीन शास्त्री मौजूद रहे।

जींद। बैठक में भाग लेते हरियाणा पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को पक्का करने की मांग

जींद। हरियाणा पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक पुलिस लाइन में प्रेम सिंह बांगड़ की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन मियां सिंह ने किया। बैठक में पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों की मांगो पर विचार करते हुए विशेष तौर पर पुलिस विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को पक्का करने की सरकार से मांग की गई। इसके अतिरिक्त सरकार से मांग की गई कि कर्मचारियों व पैंशनरों की काफी समय से कई मांगें लम्बित हैं, इनको पूरा किए जाए। प्रेम सिंह के अनुसार मुख्य मांगों में पुरानी पैंशन लागू करनाए सरकार द्वारा केशलेस मैडिकल सुविधा का पत्र जारी करके अमलीजामा पहनाना, पैंशनरों की उम्र 65, 70, 75 होने पर 10, 15, 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी, मेडिकल भत्ता एक हजार से बढ़ाकर तीन हजार करने, पुलिस विभाग में रिक्तियों के अनुसार वरिष्ठता एवं योग्यता अनुसार पदोन्नति, पुलिस विभाग में सरकार द्वारा स्थाई भर्ती, न्यायालयों द्वारा दिए गए कर्मचारियों व पेंशनरों से संबंधित फैसले सरकार द्वारा लागू करना शामिल है। बैठक में धर्मबीर, इन्द्र सिंह मलिक, रामकुमार सहित अन्य पेंशनरों ने भी विचार व्यक्त किए।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

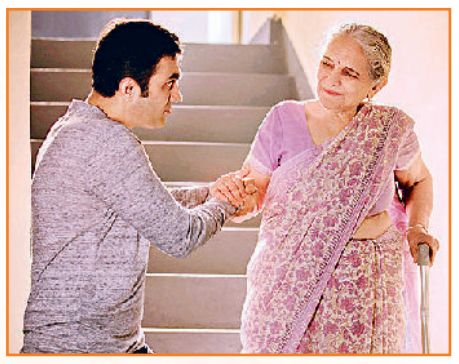

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है, 'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां, आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां, यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

लघुकथाएं

एआई इमेज

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

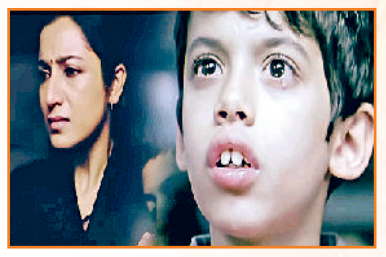

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*